उसे जन्नत दिखा दी !

“मेरा नाम आदित्य है। यह मेरी बिल्कुल सच्ची घटना है, उम्मीद है आप लोगों को पसंद आएगी। मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं है, लेकिन फिर भी कोशिश पूरी की है !मेरे एक दोस्त के रिश्तेदार की शादी थी, जिसमें मेरे दोस्त के बहुत बार जिद्द करने पर मैं जाने को तैयार हुआ, मन नहीं […] ...”

Story By: (iamadityaaa)
Posted: Thursday, March 27th, 2014
Categories: कोई मिल गया
Online version: उसे जन्नत दिखा दी !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसे जन्नत दिखा दी !

मेरा नाम आदित्य है। यह मेरी बिल्कुल सच्ची घटना है, उम्मीद है आप लोगों को पसंद आएगी। मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं है, लेकिन फिर भी कोशिश पूरी की है !

मेरे एक दोस्त के रिश्तेदार की शादी थी, जिसमें मेरे दोस्त के बहुत बार जिद्द करने पर मैं जाने को तैयार हुआ, मन नहीं था फिर भी !

शाम होते-होते शादी के लिए बिल्कुल टिप-टॉप हो गया था, अच्छा परफ्यूम, कसी हुई शर्ट जींस और जैकेट। जब मैं वहाँ पर गया तो मैं सबसे अलग नज़र आ रहा था। वहाँ मैं सबसे पहले अपने दोस्त को ढूंढने लगा। वो पता नहीं कहाँ छिप कर बैठा था पूरी शादी में कहीं नहीं मिला।

लेकिन मुझे उसकी जगह एक से एक खूबसूरत लड़कियाँ ज़रूर देखने को मिल गईं। उनमें से कुछ मुझे देख रही थी या यूं कहो देखे जा रही थीं। जवानी की आग यहाँ भी थी, वहाँ भी थी। मन कर रहा था उन्हें कह डालूँ कि चलती क्या खंडाला !

उसे (मेरे दोस्त को) ढूँढ़ते वक़्त कुछ से टकरा भी गया, लेकिन सॉरी बोल कर निकल लिया। मन तो कर रहा था, पकड़ कर निचोड़ डालूँ इनके 'आइटम' को !

दिल तो उन सबने लूट ही लिया था, पर एक लड़की बहुत ज्यादा पसंद आ गई। अब क्या करें, दिल ही कुछ ऐसा है। मुझे सिर्फ उसका चेहरा याद है, नाम तो ना मैंने कभी पूछा, और ना उसने बताया, पर दिल तो मर मिटा था उस पर। कभी वो मुझे देखती, कभी मैं उसे। कभी वो इधर-उधर देखती, मैं उसे देखने लगता, पर अचानक जैसे ही उसका मुँह मेरी तरह होता, दिल जोर-जोर से धड़कने लगता और मैं बस मुस्कुरा देता।

उससे बात करने का मन तो कर रहा था, पर उसके साथ शादी में एक काला सांड भी आया हुआ था, वो पता नहीं कौन था। भाई तो हरगिज़ नहीं हो सकता था, बॉय-फ्रेंड भी नहीं, हाँ बॉडी-गार्ड ज़रूर हो सकता था। वो कभी-कभी उससे बात करती थी। उस बॉडी-गार्ड ने तो पूरी शादी को हिला कर रख दिया, पर क्या किस्मत थी साले की, उस हसीना के साथ था। उसे पास से और उसके बड़े-बड़े मम्मे आराम से देख सकता था।

मुझे पता नहीं क्या सूझा, बस उस लड़की को पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार था, थप्पड़ खाने को भी।

वो लड़का जब हाथ में एक बड़ी से प्लेट लेकर खाने में लगा था, तब मैं उस लडकी के पास गया, उससे पूछा- आप ट्विंकल हो ना ?

(मुझे आज भी नहीं पता ट्विंकल थी कौन !)

लेकिन उसने मेरी हेल्प कर ही दी, उसने कहा- नहीं तो !

मैंने कहा- ओह्ह... सॉरी ! उसकी शक्ल और आपकी बहुत मिलती है, बिल्कुल कार्बन कॉपी।

उसने कहा- ओह्ह... वैसे क्या लगता है आपकी ट्विंकल !

उसकी मेरी बातों में दिलचस्पी बढ़ी, मैंने कहा- एक अच्छी दोस्त थी ! उसकी आँखें भी आपकी तरह नशीली, होंठ शराबी, गाल गुलाबी, दिल तो उसे देखने से ही लुट जाए, जैसे आपको देख कर हुआ !

उसने कहा- आय हाय... फ्लर्ट कर रहे हो ना !

मैंने मन में कहा पूछ रही हो या बता रही हो ? मैं बस फिर से मुस्कुरा दिया, फिर हमने 4-5

मिनट इधर-उधर और शादी की बात की। उसे मैं अच्छा लगने लगा था, इतना तो पता था मुझे, पर इतने में वो सांड आ गया।

मैंने उसे कहा- भाई, तुझे वो अंकल बहुत देर से बुला रहे हैं, शायद तुझे जानते हैं !

और दूर किसी बुड्डे की तरफ इशारा कर दिया।

उसने पूछा- कौन अंकल ?

मैंने कहा- वो जिन्होंने सफ़ेद शर्ट पहनी है।

वो उस लड़की को लेकर जाने लगा, मैंने उस लड़की का हाथ पकड़ लिया।

मैंने उसे कहा- तू मिलकर आ, हम यहीं हैं।

पहले तो साले को गुस्सा आया, पर चला गया। मैं उस लडकी को शादी में घुमाने के बहाने हाथ पकड़ कर ले गया, फिर हम चलते-चलते इधर-उधर की बातें करने लगे, पर मेरा सारा ध्यान तो उसके मम्मे पर जा रहा था। मैंने उसके मम्मे पर इशारा करके पूछा, “क्या ये असली हैं ?”

वो चौंकी, “व्हाट ?”

मैंने कहा- यह जो नैकलेस जो आपने पहन रखा है।

उसने कहा, “आपको क्या लगता है ? असली है या नकली ?”

मैंने कहा, “देखने से तो असली लग रहा है, क्या मैं इसे छू सकता हूँ ?”

उसने कहा, “क्यों नहीं !”

मैंने फिर उसके नैकलेस को छूने के बहाने उसके मम्मों को और पास से देखा और अपनी उंगली से थोड़ा-थोड़ा उन्हें छू भी लिया। मेरे हाथों को उसकी साँसों की गर्मी महसूस हो रही थी, शायद मेरी पैन्ट में जो हथियार पूरा खड़ा हो गया था, वो उसे भी नज़र आने लगा।

अब कण्ट्रोल मुझसे तो हो नहीं रहा था, बस अब मैंने सोच लिया जो होगा देखा जाएगा। हमेशा लड़की की पहल का ही क्यों इंतज़ार किया जाए। उसे मैं पकड़ कर एक बाथरूम के पास ले आया, शायद वो भी समझ गई थी मुझे क्या चाहिए और उसे क्या !

उसने पूछा, “यहाँ क्यों लाए, यहाँ भी शादी है क्या ?” और हँस दी।

मैंने मन में खुद से कहा- शादी तो वहाँ थी डार्लिंग, यहाँ तो सुहागरात… लेकिन उसे तो यह कह नहीं सकता था सो उससे कहा, “तुमने कभी जन्नत देखी है ?”

उसने कहा, “हाँ देखी है, जन्नत-2 भी देखी है।”

मैंने कहा, “असली वाली… मूवी वाली नहीं, जो तुम दस बार देख चुकी हो।”

वो फिर से हँस दी, “तुम्हें कैसे पता ? नहीं देखी।”

मैंने कहा, “मैं दिखा सकता हूँ।”

उसने पूछा, “कहाँ ?”

इस बाथरूम में ! फिर उसे कस कर पकड़ कर, बाथरूम में ले गया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। अब सिर्फ वो और में अंदर थे।

मैंने उसे कहा, यही है जन्नत।

उसने भड़क कर कहा, “यह क्या मजाक है ?”

मैंने हिम्मत करके उसे चुप किया, पता था अगर वो बाहर गई तो मुझे फालतू में जोर जबर के अटेम्प के केस में ना फंसा दे और उसे कहा- सिर्फ दो मिनट के लिए है।

वो थोड़ा चुप हुई और मैंने उसे आँखें बंद करने को कहा। वो थोड़ी सी डरी हुई थी, पर उसने कर लीं। मैंने उसे बहुत कस कर उसे खुद से चिपका लिया। उसके कान के पास अपने होंठ ले गया, उसे धीरे से कहा, “आय लव यू !”

वो कुछ नहीं बोली, मैंने उसे अलग-अलग जगहों पर छूना शुरू किया, वो गर्म होने लगी। उसकी गर्दन की साइड पर अनगिनत चुम्बन की और पूरा उस में समा गया। फिर जब वो मुझसे चिपकने लगी, मैंने बाथरूम की सिटकनी खोल दी, पर दरवाज़ा नहीं खोला था और उससे कहा- जन्नत यहाँ और दुनिया वहाँ, जाना चाहती हो तो जा सकती हो।

बस मैंने इतना ही कहा और वो रो दी और ‘आय लव यू आदित्य’ कह कर चिपक गई। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

बस यही तो में चाहता था। दरवाज़ा फिर से बंद कर दिया। वो मुझे बेतहाशा प्यार करने लगी, बहुत सारे चुम्बन। मैंने भी उसके होंठ अपने होंठों से मिला लिए।

क्या खुशबू थी उसके जिस्म की !

उसने पिंक-टॉप और ब्राउन स्कर्ट पहन रखी थी। स्कर्ट से होते हुए मैंने उसकी पैन्टी में हाथ डाल दिया, बहुत ज्यादा गीली थी। एक ही हाथ से उसकी पैन्टी उतार दी, वो मेरी शर्ट उतारने लगी और इतने में उसके टॉप को भी अलग कर दिया। अब वो स्कर्ट में थी और मैं जींस में।

उसकी स्कर्ट ऊपर की और चूत देखने लगा, क्या चूत थी… दोनों साइड से उभरी हुई और बीच की दरार बहुत ही मस्त थी। मेरा मन कर रहा था कि इसमें अभी घुसा दूँ, पर उसे पूरा मज़ा देना चाहता था। सो उसकी चूत को चूमने लगा।

वो अपना होश खोती जा रही थी और सिर्फ मुझ को दबाने लगी और अपना काम खत्म करके उसके मम्मे दबाने लगा।

क्या मम्मे थे यार, इतने कोमल कि बस मन कर रहा था, पूरा निचोड़ डालूँ !

मेरे दिल और हथियार का बुरा हाल था। फिर जब हमने फोरप्ले पूरा किया तो मैंने उसे खड़े-खड़े ही उठाया और उसी पोजीशन में अपना हथियार उसकी सुरंग में डाल दिया, वो अंदर-बाहर करने में मदद करने लगी और सिसकारियाँ लेने लगी। मेरा तो अब भी बुरा हाल था, जन्नत में तो पहुँच ही चुका था। उसकी चूत में जाते ही, उसे भी जन्नत के दर्शन करा ही दिए। उसकी चूत एकदम कसी हुई थी।

वो जब भी चुदाई के इस हसीन दर्द से चिल्लाती, मैं उसका मुँह बंद कर देता। मैं उसमें इतना समा गया था कि मैं एक पल के लिए यह भी भूल गया कि मैं शादी में आया हूँ।

क्या करें वो 'माल' ही इतनी खतरनाक थी !

हमारा खेल 25 मिनट तक चला, मन ही नहीं कर रहा था कि उसे छोड़ दूँ और ना उसका मन दूर जाने का था। फिर मैंने उसे कपड़े पहनाए और वो और में भी बीच-बीच में चुम्बन भी कर रहे थे। फिर हम दोनों ने एक-दूसरे को गले से लगाया।

हम बाहर आए, फिर अचानक उसे याद आया, उसने कहा- अरे सोनू मुझे ढूंढ रहा होगा !

मैंने कहा- ढूंढने दो जान, वो सांड खुद आ जाएगा ! और उसके एक मम्मे पर चुम्बन कर

दिया।

उसने प्यार से कहा- उंह बदतमीज़!

और मुझे एक बार आलिंगन करके उसे ढूंढने निकल ली। में भी धीरे-धीरे उसके पीछे-पीछे गया। पर यह क्या, जल्दबाजी में उसका फ़ोन नंबर तो मैंने लिया ही नहीं, ना उसका नाम पूछा।

बस अब तो वाट लगनी ही थी, जहाँ उसने मुझे छोड़ा था, मैंने वहाँ उसका बहुत बार इंतज़ार किया। कैसे भी एक बार मिले तो फ़ोन नंबर ले लूँ और शादी में भी बहुत ढूंढा, पर वो भी कही नहीं मिली। शादी में इतनी भीड़ थी कि क्या बताऊँ !

इस तरह बस उसका मेरा मिलना, वन नाईट स्टैंड बन कर रह गया, पर उसके साथ गेम खेलने में मज़ा बहुत आया, उसकी रात भी रंगीन हुई मेरी भी, जन्नत हम दोनों ने देखी।
iamadityaaa@gmail.com

Other stories you may be interested in

अन्तर्वासना ने मिलाया भाभी से

दोस्तो, मैं बैडमैन एक बार फिर से आप लोग के सामने कहानी पेश कर रहा हूँ, मेरी पिछली कुछ कहानियां जो प्रकाशित हुई है उसके आप सभी के ढेर सरे मेल मुझे मिले उसके लिए आभारी हूँ, अब तक मेरी […]
Full Story >>>

प्यासी जवानी के अकेलेपन का इलाज-1

दोस्तो, मैं आपका और सिर्फ़ आपका के के.. आपके सामने आपनी एक कहानी पेश कर रहा हूँ. पहले मैं थोड़ा अपने बारे में बता दूँ. मैं राजकोट, गुजरात का रहने वाला एक सुपर सेक्सी ब्वॉय हूँ.. जो हर वक़्त सेक्स […]
Full Story >>>

ट्रेन में मिली जवान लड़की की चुत चुदाई

सभी अंतर्वासना पाठकों को मेरा नमस्कार। यह मेरी पहली कहानी है, आशा करता हूँ कि आप सभी को जरूर पसंद आएगी। मेरा नाम अमित है, मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ। मेरी उम्र 23 साल है. शुरू से ही मैं […]
Full Story >>>

ऑफिसर लेडी की चूत की आग

कैसी हो मेरी प्यासी और प्यारी नमकीन चुतवालियों.. मैं योगू फिर से हाजिर हूँ अपनी न्यू सेक्स स्टोरी लेकर, मैं योगू अभी बेलगाम में पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरी उम्र 23 साल की है.. दिखने में बहुत सेक्सी हैंडसम हूँ, […]
Full Story >>>

विलेज सेक्स : गाँव में आंटी ने मेरी सील तोड़ी

दोस्तो, मेरा नाम विहान है. मेरी उम्र 22 साल, कद 5’11”, रंग अच्छा खासा गोरा है. मैं हरियाणा के सिरसा जिले के एक गाँव का रहने वाला हूँ. यह पिछले साल की बात है. मेरी रिश्तेदारी में गंगानगर के पास […]
Full Story >>>